एक नजर में

विसोनिया में सहरिया महिलाओं का सम्मान

गुना। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को बमोरी तहसील के ग्राम विसोनिया में महिलाओं के सम्मान के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सहरिया समुदाय की महिलाओं को साड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया और समाज निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजसेवी कार्यकर्ता सूरज सहरिया ने कहा कि महिला शक्ति ही समाज की असली रीढ़ है। इस शक्ति का सम्मान और उत्थान ही एक सशक्त समाज की नींव रखता है। कार्यक्रम की विशषता यह रही कि इस दौरान महिलाओं ने भी अपने विचार साझा किए। गांव की नारायणी बाई ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा वह रोशनी है जो हर बेटी के जीवन को उज्ज्वल बना सकती है। हमें अपनी बेटियों को पढ़ाने और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने की जरूरत है। वहीं, रीना बाई ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए कहा कि महिला सिर्फ सहनशक्ति की प्रतीक नहीं, बल्कि साहस और संघर्ष का स्वरूप भी है। सम्मान समारोह में मुख्य रूप से नारायणी बाई, रीना बाई, जशोदा बाई, प्रीति बाई, आशा बाई, असर्फी बाई, रक्षा बाई, सुखो बाई और गुड्डी बाई सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं शामिल हुईं। साथ ही आयोजन को सफल बनाने में मुखिया साथी अमरसिंह, धर्मेंद्र, अशोक और कन्हैया लाल सहित अन्य समाजसेवियों का विशेष सहयोग रहा।

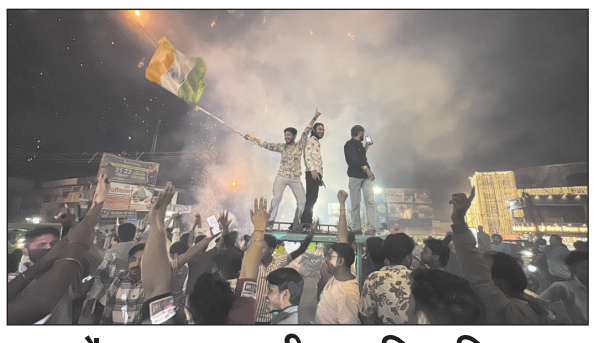

गुना में जमकर मना टी-20 विश्व विजय का जश्न, जयस्तंभ चौराहे पर लहराया तिरंगा

गुना। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराकर भारत के विश्व विजेता बनते ही गुना शहर दीपावली और होली के दोहरे उत्साह में डूब गया। अहमदाबाद में खेले गए ऐतिहासिक फाइनल मैच में जैसे ही कीवी टीम का अंतिम विकेट गिरा, गुना की सड़कों पर विजय का शंखनाद हो गया। युवाओं की टोलियां हाथों में तिरंगा लिए सड़कों पर निकल पड़ीं और जीत का जश्न देर रात तक जारी रहा। शहर के हृदय स्थल कहे जाने वाले जयस्तंभ चौराहे पर जीत की घोषणा होते ही भारी संख्या में क्रिकेट प्रेमी एकत्र हो गए। यहां देशभक्ति गीतों की धुन पर युवा जमकर थिरके और आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। रात करीब 2 बजे तक पूरा इलाका 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से गूंजता रहा। खास बात यह रही कि इस बार विश्व कप की जीत का उपहार रंगपंचमी के त्योहार के साथ मिला। उत्साहित युवाओं का कहना था कि टीम इंडिया ने रंगपंचमी के दिन विश्व विजेता का खिताब जीतकर पूरे देश की खुशियों को दोगुना कर दिया है। हवा में रंगों के साथ-साथ जीत का गुलाल भी जमकर उड़ा। जश्न के दौरान शहर की शांति व्यवस्था बनी रहे और किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति या हुड़दंग न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया।

गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड, 9 मार्च को पारा 38 डिग्री के पार

जल संकट की आहट के बीच रूफ वाटर हार्वेस्टिंग की अनदेखी

नवभारत न्यूज

गुना 9 मार्च का। मार्च के पहले पखवाड़े में ही सूर्यदेव के तेवर तीखे हो गए हैं। जिले में गर्मी ने समय से पहले ही अपने रंग दिखाने शुरू कर दिए हैं, जिससे न केवल जनजीवन प्रभावित हो रहा है बल्कि आगामी दिनों में भीषण जल संकट की आशंका भी गहराने लगी है। सोमवार, 9 मार्च 2026 को गुना का अधिकतम तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक तापमान है।

आमतौर पर मार्च की शुरूआत में मौसम खुशनुमा रहता है, लेकिन इस बार सर्दी और बरसात की विदाई के तुरंत बाद गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ना शुरू कर दिया है। रविवार के मुकाबले सोमवार को पारे में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी ने प्रशासन और आमजन की चिंता बढ़ा दी है। इस बढ़ते तापमान के साथ ही शहर के कई वार्डों में पेयजल किल्लत की आहट सुनाई देने लगी है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि अभी से जल संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दो महीनों में स्थिति विस्फोटक हो सकती है।

रूफ वाटर हार्वेस्टिंग: कागजों पर नियम, जमीन पर अनदेखी

शहर में गिरते भू-जल स्तर के बावजूद रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर घोर लापरवाही बरती जा रही है। नियमानुसार, नगरपालिका से मकान का नक्शा पास कराते समय वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य है। इसके लिए निर्माणकर्ता से क्षेत्रफल के आधार पर 7 हजार से लेकर 15 हजार रुपये तक की सुरक्षा निधि जमा कराई जाती है। इसके तहत 140 से 200 वर्गमीटर के लिए लगभग 7 हजार रुपये, 200 से 300 वर्गमीटर के लिए लगभग 10 हजार रुपये और 300 वर्गमीटर से अधिक के लिए लगभग 15 हजार रुपये जमा कराए जाते हैं। हैरानी की बात यह

है कि लोग मकान बनाने के बाद अपनी यह सुरक्षा राशि वापस लेने में भी रुचि नहीं दिखा रहे हैं, क्योंकि इसके लिए सिस्टम का भौतिक सत्यापन कराना अनिवार्य है। ज्यादातर लोग सिस्टम लगवा ही नहीं रहे हैं, जिससे बारिश का पानी सहेजने के बजाय व्यर्थ बह जाता है।

सरकारी और निजी भवनों की स्थिति जस की तस

जागरूकता के अभाव में न केवल निजी मकान मालिक बल्कि कई सरकारी कार्यालयों में भी अभी तक रेन वाटर हार्वेस्टिंग की पुख्ता व्यवस्था नहीं हो सकी है। अंधाधुंध वृक्षारोपण की कमी और जमीन से पानी के अत्यधिक दोहन के कारण वाटर रिचार्जिंग की प्रक्रिया पूरी तरह ठप है। नगरपालिका कर्मचारियों का कहना है कि अब उन क्षेत्रों में विशेष प्रचार-प्रसार और मुनादी कराई जाएगी जहां जल स्तर तेजी से गिर रहा है।

यदि शहरवासी अब भी जागरूक नहीं हुए, तो वह दिन दूर नहीं जब गुना को हर साल की तरह इस बार भी भीषण टैंकर राज और जल संकट से जूझना पड़ेगा।

दोपहर में सड़कों पर पसरा सन्नाटा, ठंडे पेय पदार्थों की बढ़ी मांग

सोमवार को पारे के 38.3 डिग्री के पार पहुँचते ही शहर की सड़कों पर गर्मी का असर साफ दिखाई दिया। दोपहर के समय तेज धूप और लू के थपेड़ों के कारण आवाजाही काफी कम रही और मुख्य बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। हालांकि, सुबह और शाम के समय मौसम थोड़ा सुहावना होने पर बाजारों में रौनक बरकरार दिखी। गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों ने अब ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। शहर के प्रमुख चौराहों और ठेलों पर गन्ने का रस, छाछ, लस्सी और कोल्ड ड्रिंक्स की मांग में अचानक तेजी आ गई है।

गाय का कटा सिर मिलने के मामले में गौसेवकों का फूटा गुस्सा

गुना। शहर के औद्योगिक क्षेत्र में बीते 6 मार्च को गाय का कटा हुआ सिर मिलने की घटना को लेकर गौसेवकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी न होने से नाराज गौ सुरक्षा टीम के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचकर आवेदन सौंपा और त्वरित कार्रवाई की मांग की। दरअसल, 6 मार्च को गुना के औद्योगिक क्षेत्र में गाय का कटा हुआ सिर मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में गौसेवक मौके पर

एकत्र हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए कैंट थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर तो दर्ज कर ली है, लेकिन पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। गौसेवकों ने पुलिस प्रशासन पर ढुलमुल रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ऐसी संवेदनशील घटनाओं में पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई न करना दुर्भाग्यपूर्ण है। गौ सुरक्षा टीम के सदस्यों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर सलाखों के पीछे नहीं भेजा गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। गुना गौ सुरक्षा टीम के सदस्य लगातार प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारियों को आवेदन देकर कार्रवाई का दबाव बना रहे हैं। गौसेवकों का कहना है कि समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले ऐसे तत्वों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

बुजुर्ग पूर्व शासकीय चिकित्सक से रिहायशी क्षेत्र में लूट

गुना। शहर के व्यस्ततम बोहरा मस्जिद चौराहा के पास स्थित एक गली में रविवार शाम 7 बजे सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां दूध और अन्य घरेलू सामान लेने निकले 78 वर्षीय बुजुर्ग पूर्व शासकीय चिकित्सक डॉ. गजेंद्र सिंह वैश्य के साथ दो अज्ञात बदमाशों ने मारपीट कर लूट की घटना को अंजाम दिया है। पूरी वारदात गली में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में भी रिकॉर्ड हो गई है। चौधरन का बाड़ा निवासी डॉ. गजेंद्र सिंह वैश्य वर्तमान में हनुमान गली में अपना क्लिनिक संचालित करते हैं। घटना के समय वे घर से दूध लेने निकले थे, तभी

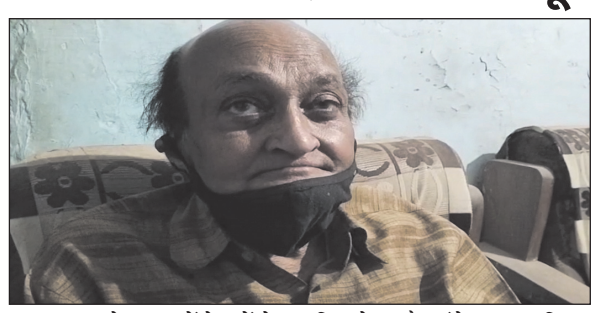

घात लगाए दो बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने डॉक्टर साहब के साथ झूमा-झटकी शुरू कर दी। जब उन्होंने विरोध किया, तो बदमाशों ने उन्हें जमीन पर पटक दिया। पीड़ित डॉक्टर ने बताया कि बदमाशों के हाथ में लाठी थी, जिससे उनके कंधे पर वार किया गया, जिससे उन्हें चोट आई है। इसके बाद लुटेरों ने उनका मोबाइल छीनने की कोशिश की, लेकिन तभी शोर सुनकर एक स्थानीय दुकानदार उनकी मदद के लिए दौड़े।

आरओबी निर्माण की राह में बाधा बने अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

गुना। शहर के पंचमुखी हनुमान मंदिर क्षेत्र में निमार्णाधीन ओवरब्रिज के कार्य में तेजी लाने के लिए सोमवार को जिला प्रशासन और एमपीआरडीसी ने संयुक्त कार्रवाई की। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश पर आरओबी और सर्विस रोड के दायरे में आने वाले पक्के अतिक्रमणों को जेसीबी की मदद से जमींदोज कर दिया गया है। एमपीआरडीसी द्वारा बनाए जा रहे इस आरओबी के दोनों तरफ करीब 16 मीटर चौड़ाई तय की गई है। यहां न केवल ओवरब्रिज का मुख्य ढांचा, बल्कि अप्रोच रोड और सर्विस रोड का निर्माण भी किया जाना है। निर्माण कार्य में बाधा डाल रहे अतिक्रमणों को पहले ही चिन्हित कर लिया गया था, जिसके बाद सोमवार को इन्हें हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई तहसीलदार गौरीशंकर बैरवा और एमपीआरडीसी के सहायक महाप्रबंधक ग्वालियर शशांक शर्मा की मौजूदगी में पूरी हुई। कार्रवाई के दौरान उन पक्के निर्माणों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया जो सर्विस रोड के नक्शे में आ रहे थे। इसमें कुछ लोगों द्वारा दुकानों और मकानों के सामने बनाए गए पिलर और अन्य अवैध निर्माण शामिल थे। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, आरओबी और सर्विस रोड के रास्ते से अतिक्रमण हटने के बाद अब निर्माण कार्य निर्बाध रूप से चल सकेगा।

निजी स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश प्रक्रिया शुरू

गुना। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत सत्र 2026-27 के लिए गैर अनुदान प्राप्त निजी स्कूलों में वंचित एवं कमजोर वर्ग के बच्चों को नि:शुल्क प्रवेश दिलाने की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल द्वारा इस संबंध में ऑनलाइन आवेदन की समय-सारणी जारी कर दी गई है, जिससे पात्र परिवारों को अपने बच्चों की शिक्षा के लिए बेहतर अवसर मिल सकेगा। जिला परियोजना समन्वयक ऋषि कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि आरटीई के अंतर्गत आगामी सत्र के लिए नि:शुल्क प्रवेश की ऑनलाइन प्रक्रिया 13 मार्च 2026 से प्रारंभ होगी।

वार्ड 7 में राजमाता माधवी राजे सिंधिया पार्क का भूमि पूजन

नवभारत न्यूज

गुना। शहर के वार्ड क्रमांक 7 के निवासियों के लिए विकास की एक नई सौगात सामने आई है, जहाँ राजमाता माधवी राजे सिंधिया पार्क के निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य का औपचारिक भूमि पूजन संपन्न हुआ। गुना विधायक पन्नालाल शाक्य और नगर पालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने संयुक्त रूप से इस परियोजना की आधारशिला रखी। इस अवसर पर पूर्व पार्षद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अरविंद गुप्ता और वार्ड पार्षद महेश कुशवाह विशेष रूप से उपस्थित रहे। नगर पालिका अध्यक्ष ने इस मौके पर कहा कि क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के मार्गदर्शन में गुना के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत सांसद निधि से 10 लाख रुपये की लागत से इस पार्क की बाउंड्री वाल का निर्माण कराया जा रहा है।

पार्क को आधुनिक स्वरूप देने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष ने अपनी ओर से 20 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की है, जिससे यहाँ मल्टी जिम, पावर ब्लॉक और सौंदर्यीकरण के कार्य कराए जाएंगे। भूमि पूजन के दौरान स्थानीय नागरिकों ने पार्क के समीप स्थित हरिओम किराना को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण की पुरजोर मांग रखी। जनभावनाओं को देखते हुए अध्यक्ष ने तत्काल सड़क निर्माण का आश्वासन दिया और मौके पर मौजूद उपयंत्री नितिन चंदेल को कड़े निर्देश दिए कि आठ दिनों के भीतर तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाए। विधायक पन्नालाल शाक्य ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस पार्क के विकसित होने से क्षेत्र के बच्चों और बुजुर्गों को स्वास्थ्य लाभ और मनोरंजन के लिए एक बेहतर स्थान मिल सकेगा।

सूने घर में चालक ने लगाई फांसी, शादी से लौटे परिजनों में मचा कोहराम

गुना। शहर के कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत मातापुरा मोहल्ले में 55 वर्षीय एक अधेड़ ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय मृतक घर में अकेले थे, जबकि उनका पूरा परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने गया हुआ था। जानकारी सामने आई है कि मातापुरा निवासी अमरीश शर्मा पुत्र स्वर्गीय वासुदेव शर्मा पेशे से ड्राइवर थे। अमरीश रविवार को घर पर अकेले थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने कमरे की कुंडी अंदर से बंद कर अपनी पत्नी की साड़ी का फंदा बनाया और कमरे की छोटी खिड़की से झूल गए। घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। मृतक की पत्नी, बेटा और बेटी पिछले तीन दिनों से एक शादी समारोह में गए हुए थे। जब परिजन घर लौटे, तब इस दर्दनाक घटना का खुलासा हुआ। सोमवार को गुना जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

मकान नंबरिंग काम में ढिलाई पर कलेक्टर कन्याल ने जताई कड़ी नाराजगी

नवभारत न्यूज

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने जिले में चल रहे जनगणना संबंधी मकान नंबरिंग कार्य की धीमी प्रगति पर गहरा असंतोष और नाराजगी व्यक्त की है। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से इसकी समीक्षा करें और गुणवत्ता के साथ इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर पूर्ण करना सुनिश्चित करें। साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अपर कलेक्टर अखिलेश जैन और जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर ने अन्य

समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को दी हिदायत

महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी जारी किए: कलेक्टर ने निर्देश दिए कि फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाई जाए, क्योंकि जिन किसानों की रजिस्ट्री पूर्ण होगी, उन्हें ही खाद उपलब्ध कराई जा सकेगी। गर्मी के मौसम को देखते हुए उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को बंद पड़ी जल प्रदाय योजनाओं को चालू करने और खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए। साथ ही, आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

नवाचार और सीएम हेल्पलाइन

उन्होंने 'जिज्जी की पंचायत' जैसे नवाचारों को निरंतर जारी रखने पर जोर दिया। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी

विभागों को 90 प्रतिशत शिकायतों के निराकरण का लक्ष्य दिया और अधिकारियों को नियमित फील्ड दौरा करने की हिदायत दी।

बैठक के अंत में उन्होंने पुन: दोहराया कि मकान नंबरिंग जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्यों में देरी करने वाले उत्तरदायी अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

खुलासा | गुना पुलिस ने पहुंचाया शातिर चोर और खरीददार दोनों सलाखों के पीछे

'सुपरफास्ट' एक्शन : 24 घंटे में सुलझाई चोरी की गुत्थी

गुना। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के कुशल नेतृत्व और प्रभावी रणनीति के चलते गुना पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में केंट थाना पुलिस ने एक आवासीय परिसर में हुई चोरी की घटना का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए चोर और चोरी का माल खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया शत-प्रतिशत माल भी बरामद कर लिया है। मामले के अनुसार, 6 मार्च 2026 को फरियादी अजय शर्मा (दुबे फाइनेंशियल सर्विसेज मार्केटिंग) ने केंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि

केंट क्षेत्र के एक आवासीय परिसर में रिनोवेशन का कार्य चल रहा था, जहाँ से अज्ञात बदमाशों ने लोहे के एंगल, सरिया, टाइल काटने की मशीन, फर्नीचर मशीन, नल की टोंटी और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया था। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 305(ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर और सीएसपी प्रियंका मिश्रा के पर्यवेक्षण में केंट थाना प्रभारी अनूप कुमार भार्गव की टीम ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया, जिससे आरोपी की पहचान सुनिश्चित हुई। 7 मार्च को मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने रविशंकर लोधा (32 वर्ष), निवासी गोपालपुरा को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने चोरी करना स्वीकार किया और बताया कि उसने चोरी का माल मुकेश रजक निवासी नानाखेड़ी को बेच दिया है। कार्रवाई करते हुए खरीदार मुकेश रजक (43 वर्ष) को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी गया संपूर्ण सामान बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत करीब 60 हजार रुपये आंकी गई है। बरामद सामान में ड्रिल मशीन, ग्राइंडर, बुडकटर मशीन, रुंदा मशीन, लोहे का सरिया और नल की टोंटियां शामिल हैं। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। इस सफल कार्रवाई में केंट थाना प्रभारी अनूप कुमार भार्गव, सीसीटीवी कंट्रोल प्रभारी विकास उपाध्याय, प्रधान आरक्षक रामभरोसा बैरागी, आरक्षक सूर्यभान जाट, राजू बघेल, शुभम रघुवंशी और सीसीटीवी कंट्रोल टीम के भूपेंद्र सेंगर, नितिन राठौर, साक्षी सिकरवार व प्रिया टुण्डेले की विशेष भूमिका रही।

क्लेम भुगतान में देरी : इंश्योरेंस कंपनी पर कुर्की की तलवार

गुना। नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के दफ्तर में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब न्यायालय के कर्मचारी संपत्ति कुर्की का आदेश लेकर वहां पहुंचे। यह पूरी कार्रवाई एक सड़क दुर्घटना के क्लेम केस में अदालत द्वारा निर्धारित राशि का भुगतान समय पर न किए जाने के कारण की गई। हालांकि, बीमा कंपनी के प्रबंधक द्वारा राशि जमा करने के लिए मोहलत मांगे जाने के बाद फिलहाल कार्रवाई को स्थगित कर दिया गया है। यह मामला घटावदा निवासी सुमन राजपूत के पति हीरालाल की सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु से जुड़ा है। दुर्घटना के बाद परिवार ने क्लेम केस दायर किया था, जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए 2 सितंबर 2025 को अपना फैसला सुनाया था। न्यायालय ने नेशनल इंश्योरेंस कंपनी को, जिससे वाहन का बीमा था, सुमन राजपूत को 16 लाख 65 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति राशि देने के निर्देश दिए थे। अदालत के आदेश को लगभग 6 महीने बीत जाने के बावजूद बीमा कंपनी ने पीड़ित परिवार को क्लेम की राशि का भुगतान नहीं किया। इस देरी और लापरवाही को देखते हुए न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया और बीमा कंपनी की संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी कर दिए। सोमवार को न्यायालय के कर्मचारी कुर्की की प्रक्रिया का पालन करने के लिए एबी रोड स्थित बीमा कंपनी के कार्यालय पहुंचे। कोर्ट की इस सख्त कार्रवाई को देखते हुए कंपनी प्रबंधन ने तत्काल हस्तक्षेप किया और प्रबंधक ने न्यायालय से राशि जमा कराने के लिए 3 से 4 दिनों का अतिरिक्त समय मांगा।